राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी 2004
सिंहावलोकन
1. प्रकाशन

1.01 केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन (के.सां.सं.), सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय नियमित रूप से राष्ट्रीय लेखा समाहारों (अर्थात घरेलू उत्पाद, उपभोग व्यय, पूंजी निर्माण, बचत तथा पूंजी स्टॉक आदि) के संपूर्ण अर्थव्यवस्था एवं सार्वजनिक क्षेत्र के अनुमान प्रचलित एवं स्थिर मूल्यों पर संकलित करता है और उनको राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी नामक प्रकाशन में प्रकाशित करता है । प्रत्येक वर्ष के जनवरी माह में केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन पूर्व वर्ष के मार्च माह में समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए, राष्ट्रीय लेखा समाहारों के त्वरित अनुमान जारी करता है । ये अनुमान 10 से 11 माह के अंतराल पर कृषि उत्पादन, औद्योगिक उत्पादन, सरकारी व्यय तथा रेलवे, संचार,और गैर-विभागीय वाणिज्यिक उपक्रमों आदि से संबंधित अन्य प्रचलित /आंशिक अद्यतन आंकड़ों के आधार पर प्रकाशित किए जाते हैं । पूर्व वितीय वर्ष के लिए "त्वरित" अनुमानों को जारी करने के साथ-साथ केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन विभिन्न स्रोत अभिकरणों से उपलब्ध विस्तृत और अधिक संपूर्ण आंकड़ों का उपयोग करते हुए कुछ पूर्व वित्तीय वर्षों के अनुमानों को संशोधित भी करता है ।

1.02 "त्वरित" अनुमानों और उनके संशोधनों के अलावा केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन प्रचलित वित्तीय वर्ष के लिए मुख्य समष्टि आर्थिक समाहारों के अनुमान भी वर्ष के लगभग दो माह पूर्व संकलित करता है और उनको "अग्रिम" अनुमानों के रूप में जारी करता है । "अग्रिम" अनुमानों को जारी करने में उद्योग द्वारा दोनों प्रचलित और स्थिर मूल्यों तथा कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (जी एन पी) निवल राष्ट्रीय उत्पाद (एनएनपी), सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी),निवल घरेलू उत्पाद (एनडीपी) और प्रति व्यक्ति आय (कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद) अंतर्विष्ट हैं । इन अनुमानों को बाद में जून के अंतिम कार्य दिवस को अर्थात तीन माह के अंतराल पर अग्रिम अनुमानों के अद्यतनीकरण के रूप में जारी किया जाता है ।

1.03 राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एन ए एस)-2004 के वर्तमान अंक में वर्ष 2002-03 के लिए समष्टि आर्थिक समाहारों के त्वरित अनुमान तथा वर्ष 1997-98 से 2001-02 के लिए संशोधित अनुमान शामिल हैं। 9 फरवरी 2004 को जारी किए गए वर्ष 2003-04 के लिए राष्ट्रीय आय के वार्षिक अग्रिम अनुमान एवं 31 मार्च 2004 को जारी किए गए वर्ष 1999-2000 से 2003-04 के लिए सकल घरेलू (जीडीपी) के त्रैमासिक अनुमानों को भी प्रस्तुत किया गया है। इस प्रकाशन के पांच भाग हैं। प्रत्येक भाग का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है:-

भाग-1 - *समष्टि आर्थिक समाहार* - इस भाग में कारक लागत और बाजार मूल्यों पर जीडीपी, एनडीपी, जीएनपी, और एनएनपी, स्थिर पूंजी का उपभोग (सीएफसी),निजी अंतिम उपभोग खर्च (पीएफसीईई,), सरकारी अंतिम उपभोग खर्च (जीएफसीई), निर्यात और आयात, पूंजी निर्माण और बचत का संक्षिप्त ब्यौरा अंतर्विष्ट है । इस भाग में राष्ट्र का समेकित लेखा एवं सार्वजनिक क्षेत्र का निष्पादन भी दर्शाया गया है ।

भाग-2 - *घरेलू उत्पाद* - राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एन ए एस)-2004 का यह भाग प्रतिशत वितरण और वृद्धि दरों सहित मूल उद्योग अर्थात् आर्थिक गतिविधि द्वारा सकल घरेलू उत्पाद और निवल घरेलू उत्पाद संबंधी विवरण प्रस्तुत करता है ।

भाग-3 - *उपभोग, बचत और पूंजी निर्माण* - यह भाग निजी अंतिम उपभोग, बचत और पूंजी निर्माण के कुछ विस्तृत ब्यौरों के अनुमान प्रस्तुत करता है । पीएफसीई के अनुमानों को लगभग 38 सामग्री समूहों के लिए अलग से प्रस्तुत किया जाता है तथा सकल घरेलू बचत के अनुमान संस्थानों के प्रकार के अनुसार एवं पूंजी निर्माण के अनुमान, जिनमें स्थिर पूंजी निर्माण एवं भण्डारों में परिवर्तन भी सम्मिलित है को संपत्तियों एवं संस्थानों के प्रकार के अनुसार प्रस्तुत किया गया है ।

भाग-4 - *सार्वजनिक क्षेत्र के लेन-देन* - यह भाग सकल घरेलू उत्पाद और निवल घरेलू उत्पाद (संस्थानों एवं आर्थिक गतिविधियों के प्रकार द्वारा) सरकारी अंतिम उपभोग खर्च (उददेश्य द्वारा), बचत और पूंजी निर्माण (संस्थानों एवं उद्योगों द्वारा) जैसी समष्टियों के सार्वजनिक क्षेत्र के घटकों के ब्यौरे मुहैया करवाता है । यह भाग वास्तव में कारक आय, आर्थिक गतिविधि और संस्थानों की टाइप, नामक एक त्रि-स्तरीय वर्गीकरण के द्वारा आर्थिक लेखों के ब्यौरे प्रस्तुत करता है । प्रशासनिक विभागों के अंतिम उपभोग खर्च को कर्मचारियों के पारिश्रमिक संबंधी खर्चों, केन्द्र सरकार, राज्य सरकार और स्थानीय प्राधिकरणों द्वारा वस्तुओं और सेवाओं की अलग से की गई निवल खरीद के लिए भी अलग से दिया जाता है । प्रशासनिक विभागों के खर्च के ब्यौरे आर्थिक और उद्देश्य वर्गीकरण श्रेणियों द्वारा भी मुहैया कराए गये हैं ।

भाग-5 - *पृथक्कृत विवरण* - यह भाग फसल/मद/श्रेणी स्तर पर व्यापक असमिष्टिय ब्यौरे प्रस्तुत करता है । असमिष्टिय आंकड़ों का स्वरूप और परिमाण सूचना और मूल्यांकन की प्रक्रिया पर निर्भर करते हुए उद्योग-दर-उद्योग भिन्न-भिन्न होता है। बचत के संबंध में असमष्टिय अनुमान, वित्तीय परिसंपत्तियों तथा घरेलू (पारिवारिक) क्षेत्र की जिम्मेदारियों से संबंधित होते हैं । परिसंपत्तियों की टाइप तथा संस्थानों और बाहरी लेन-देन लेखों की टाईप द्वारा पूंजी निर्माण के अनुमान भी इस भाग में प्रस्तुत किए गए हैं ।

1.04 राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी (एन ए एस)-2004 में विवरणों का एक अतिरिक्त खंड भी है जो अनेक उपयोगी विशेष विवरण प्रस्तुत करता है । वर्ष 1993-94 से पहले के वर्षों के लिए राष्ट्रीय आय और संबंधित समष्टि आर्थिक समाहारों (1993-94 की श्रृंखला के अनुसार) के अनुमान एक अलग प्रकाशन में प्रकाशित किए गए है । तथापि, उपयोगकर्ताओं के सुलभ संदर्भ के लिए वर्ष 1950-51 और इस से आगे के वर्षों के लिए मुख्य समष्टि - आर्थिक के समाहारों को दर्शाने वाला एक विशेष विवरण (एस-1) इस प्रकाशन में प्रस्तुत किया गया है । वर्तमान प्रकाशन रीतिविधान और अनुमानों में परिवर्तन संबंधी टिप्पणी वाले एक संक्षिप्त खंड के साथ समाप्त होता है ।

2. अर्थव्यवस्था

सकल देशीय उत्पाद तथा राष्ट्रीय आय

2.01 वर्ष 2001-02 के लिए स्थिर (1993-94) मूल्यों पर 12,67,833 करोड़ रूपये के संशोधित अनुमान की तुलना में 2002-03 के लिए कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद के त्वरित अनुमान, 13,18,321 करोड़ रूपये होकर वर्ष 2002-03 में 4.0 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर्शा रहे हैं । प्रचलित मूल्यों पर, वर्ष 2001-02 के लिए 20,90,957 करोड़ रूपये के संशोधित अनुमान की तुलना में वर्ष 2002-03 के लिए कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद के त्वरित अनुमान, वर्ष के दौरान 7.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 22,49,493 करोड़ रूपये हो गये हैं। वर्ष 2003-04 के लिए स्थिर (1993-

94)मूल्यों पर कारक लागत पर प्राप्त हुए सकल देशीय उत्पाद के अग्रिम अनुमान 14,24,507 करोड़ रूपये अनुमानित किये गए हैं । यह इंगित करता है कि वास्तविक अर्थों में स.दे.उ.में वर्ष 2003-04 के दौरान 8.1 प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है ।

2.02 वर्ष 2001-02 के लिए 11,17,282 करोड़ रू. के संशोधित अनुमानों की तुलना में वर्ष 2002-03 के लिए स्थिर 1993-94 मूल्यों पर राष्ट्रीय आय(अर्थात कारक लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद) के त्वरित अनुमान में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि इंगित करते हुए 11,56,714 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये हैं। प्रचलित मूल्यों पर वर्ष 2001-02 के लिए 18,61,117 करोड़ रू. के संशोधित अनुमान की तुलना में वर्ष 2002-03 के लिए त्वरित अनुमान वर्ष के दौरान 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 19,95,229 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये हैं । वर्ष 2003-04 के लिए स्थिर(1993-94) मूल्यों पर राष्ट्रीय आय के अग्रिम अनुमान वर्ष के दौरान 8.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 12,53,732 करोड़ रूपये अनुमानित किये गये हैं ।

2.03 वर्ष 2001-02 के लिए 10,774 रू. के संशोधित अनुमान की तुलना में वर्ष 2002-03 के लिए त्वरित अनुमानों के अनुसार प्रति व्यक्ति वास्तविक आय अर्थात स्थिर (1993-94) मूल्यों पर कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद 10,964 रू. है । यह वर्ष 2002-03 के दौरान लगभग 1.8 प्रतिशत की प्रति व्यक्ति वास्तविक आय की वृद्धि दर्शाते हैं । प्रचलित मूल्यों पर, वर्ष 2001-02 में 17,947 रू.(संशोधित अनुमान) की तुलना में 5.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए वर्ष 2002-03 में 18,912 रू.(त्वरित अनुमान) अनुमानित किए गए है । वर्ष 2003-04 के लिए अग्रिम अनुमान पर आधारित प्रति व्यक्ति वास्तविक आय पूर्व वर्ष की तुलना में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाते हुए 11,684 रू. अनुमानित की गई है ।

सारणी-1: कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद एवं राष्ट्रीय आय

वर्ष	सकल देशीय उत्पाद (करोड़ रूपये)		निवल राष्ट्रीय उत्पाद (करोड़ रूपये)		प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद (रूपये)	
	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर
1993-94	781345	781345	685912	685912	7690	7690
1994-95	917058	838031	805981	734358	8857	8070
1995-96	1073271	899563	941861	787809	10149	8489
1996-97	1243547	970082	1093962	852084	11564	9007
1997-98	1390148	1016595	1224946	891086	12707	9244
1998-99	1598127	1082748	1415093	948581	14396	9650
1999-00	1761838	1148368	1564048	1008115	15625	10071
2000-01	1902998	1198592	1687818	1050891	16563	10313
2001-02	2090957	1267833	1861117	1117282	17947	10774
2002-03 (त्वरित अनमान)	2249493	1318321	1995229	1156714	18912	10964
2003-04 (अग्रिम अनुमान)	2516912	1424507	2238246	1253732	20860	11684
पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि						
1994-95	17.4	7.3	17.5	7.1	15.2	4.9
1995-96	17.0	7.3	16.9	7.3	14.6	5.2
1996-97	15.9	7.8	16.1	8.2	13.9	6.1
1997-98	11.8	4.8	12.0	4.6	9.9	2.6
1998-99	15.0	6.5	15.5	6.5	13.3	4.4
1999-00	10.2	6.1	10.5	6.3	8.5	4.4
2000-01	8.0	4.4	7.9	4.2	6.0	2.4
2001-02	9.9	5.8	10.3	6.3	8.4	4.5
2002-03 (त्वरित अनमान)	7.6	4.0	7.2	3.5	5.4	1.8
2003-04 (अग्रिम अनुमान)	11.9	8.1	12.2	8.4	10.3	6.6

प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद

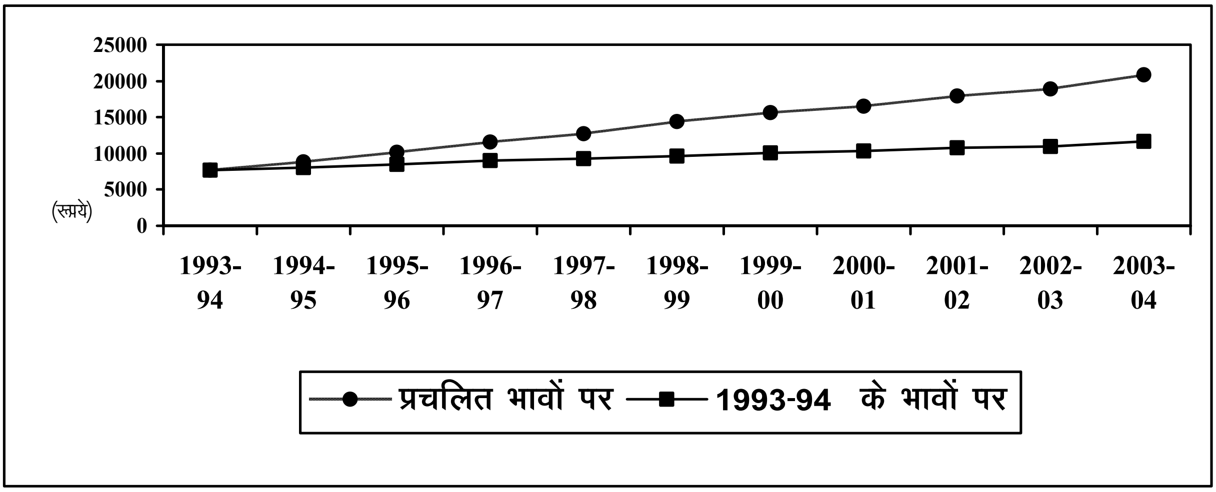

2.04 अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में सकल घरेलू उत्पाद (कारक लागत पर) के प्रतिशत में परिवर्तन जो सारणी 2 में प्रस्तुत किए गए हैं, में वर्ष 2002-03 के दौरान कृषि में गिरावट (-6 प्रतिशत) की नकारात्मक वृद्धि तथा वानिकी एवं लट्ठा बनाना (2.5 प्रतिशत) और विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति (3.8 प्रतिशत) की मामूली वृद्धि दर्शाते हैं। संचार (22.0 प्रतिशत), बैंकिंग एवं बीमा (11.6 प्रतिशत), खनन तथा उत्खनन (8.8 प्रतिशत), निर्माण (7.3 प्रतिशत), विनिर्माण (6.2 प्रतिशत), अन्य सेवाएं (6.2 प्रतिशत), अन्य परिवहन (6.0 प्रतिशत), स्थावर संपदा, आवास का स्वामित्व और व्यावसायिक सेवाएं (5.9 प्रतिशत) तथा रेलवे (5.7 प्रतिशत) की उच्च वृद्धि के कारण इस अवधि के दौरान कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में 4.0 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि दर प्राप्त हुई है ।

सारणी-2 : अर्थव्यवस्था के चयनित क्षेत्रों के सकल देशीय उत्पाद में पिछले वर्ष की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन

(1993-94 के मूल्यों पर)

	क्षेत्र	1994-95	1995-96	1996-97	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1.	कृषि	5.1	-1.1	10.1	-2.8	6.9	-0.1	-0.4	6.7	-6.0
2.	वानिकी एवं लटठा बनाना	2.7	- 0.6	1.4	2.1	1.5	3.7	2.4	1.4	2.5
3.	मत्स्यन	6.3	5.4	7.8	1.9	- 3.9	7.0	4.0	6.5	4.7
4.	खनन तथा उत्खनन	9.3	5.9	0.5	9.8	2.8	3.3	2.4	2.2	8.8
5.	विनिर्माण	12.0	14.9	9.7	1.5	2.7	4.0	7.4	3.6	6.2
6.	विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति	9.4	6.8	5.4	7.9	7.0	5.2	4.3	3.6	3.8
7.	निर्माण	5.5	6.2	2.1	10.2	6.2	8.0	6.7	3.1	7.3
8.	व्यापार,होटल एवं जलपान गृह	10.7	14.4	7.7	7.6	7.6	7.2	4.0	8.7	4.5
9.	रेलवे	2.1	8.2	4.8	1.8	1.8	9.0	4.3	7.0	5.7
10	अन्य परिवहन	10.3	9.5	8.2	5.7	5.0	6.6	6.7	3.9	6.0
11	संचार	16.8	18.5	11.6	20.8	19.9	22.0	26.8	16.9	22.0
12	बैंकिंग एवं बीमा	8.5	10.9	9.7	17.9	8.8	13.4	-1.2	3.5	11.6
13	स्थावर संपदा, आवासों का स्वामित्व एवं व्यावसायिक सेवायें	3.0	5.7	4.3	5.4	5.8	7.4	9.2	5.7	5.9
14	लोक प्रशासन एवं रक्षा	1.3	6.8	4.1	14.5	10.6	13.2	2.3	3.0	5.3
15	अन्य सेवाएं	5.0	8.8	8.1	9.5	10.2	11.4	7.7	7.8	6.2
16	**कुल सकल देशीय उत्पाद**	**7.3**	**7.3**	**7.8**	**4.8**	**6.5**	**6.1**	**4.4**	**5.8**	**4.0**

2.05 *कृषि एवं पशुधन क्षेत्र का निष्पादन* : वर्ष 2001-02 में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त करने के बाद वर्ष 2002-03 में कृषि के उत्पादन मूल्य में (-)5.4 प्रतिशत की गिरावट हुई। गिरावट विशेष रूप से कृषि अर्थात् फसल कृषि के उत्पादन में गिरावट के एकमात्र कारण से हुइ है । इसी अवधि के दौरान वास्तव में पशुधन उत्पादन में 3.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई । वास्तव में सभी प्रमुख खाद्यान्न फसलों जैसे कि धान, गेहूं और दालों में वर्ष के दौरान तीव्र गिरावट दर्ज की गई । उत्पादन के गिरावट में कपास और तिलहनों का भी विशेष रूप से योगदान रहा ।

सारणी-3: कृषि का निष्पादन

मद		1993-94	2000-01	2001-02	2002-03	वृद्धि दर	
						2001-02	2002-03
1.	उत्पादन मूल्य (1993-94 के मूल्यों पर करोड़ रूपये)	271839	320920	339771	321513	5.9	-5.4
1.1	कृषि	204874	235469	249731	228153	6.1	-8.6
1.2	पशुधन	66965	85451	90040	93361	5.4	3.7
2.	चुने हुए निवेशों का मूल्य (1993-94 के मूल्यों पर करोड़ रूपये)						
2.1	रसायन उर्वरक	10848	14982	14648	13861	-2.2	-5.4
2.2	डीजल तेल	3136	4444	4769	5035	7.3	5.6
2.3	जैव खाद	3339	3815	3819	3782	0.1	-1.0
2.4	पशुधन का आहार	23146	25004	26075	25837	4.3	-0.9
2.5	बीज	5933	5937	6047	5722	1.9	-5.4
3	चुनी हुई फसलों का उत्पादन (मिलियन टन में)						
3.1	खाद्यान्न	184.26	196.81	212.02	174.19	7.7	-17.8
3.1.1	चावल के संदर्भ में धान	80.30	84.98	93.08	72.66	9.5	-21.9
3.1.2	गेहूं	59.84	69.68	71.81	65.10	3.1	-9.3
3.1.3	मोटे अनाज	30.81	31.08	33.94	25.29	9.2	-25.5
3.1.4	दालें	13.31	11.07	13.19	11.14	19.2	-15.5
3.2	तिलहन	21.50	18.44	20.80	15.06	12.8	-27.6
3.3	कपास (170 कि.ग्रा.की दस लाख गांठे)	10.74	9.52	10.09	8.72	6.0	-13.6
3.4	गन्ना	229.66	295.96	300.10	281.58	1.4	-6.2

2.06 *गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन क्षेत्र का निष्पादन* : वर्ष 2002-03 के दौरान गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन में पिछले वर्ष की तुलना में लगभग सभी क्षेत्रों में सकारात्मक वृद्धि हुई। 2001-02 के दौरान अन्य विनिर्माण, चमड़े व रोयें, लकड़ी फर्नीचर और सूती वस्त्रों के सूचकांक में क्रमशः 8.9 प्रतिशत, 5.3 प्रतिशत, (-)11 प्रतिशत और (-)2.2 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2002-03 में 0.1 प्रतिशत (-)3.2 प्रतिशत (-)17.6 प्रतिशत और (-)2.7 प्रतिशत की मामूली / नकारात्मक वृद्धि दर दर्ज की गई ।

सारणी-4: द्विअंक स्तर पर गैर-कृषि वस्तुओं के उत्पादन के सूचकांक (1993-94 =100)

उद्योग	रा.औ. व. कोड	97-98	98-99	99-00	2000-01	2001-02	2002-03	वृद्धि दर 2001-02	2002-03
खनन	10-19	126.4	125.4	126.7	130.3	131.9	139.6	1.2	5.8
खाद्य उत्पाद	20-21	133.8	134.7	140.3	154.5	152.0	168.7	-1.6	11.0
पेय पदार्थ, तंबाकू आदि	22	158.1	178.5	192.1	200.4	224.8	287.6	12.2	27.9
सूती वस्त्र	23	125.6	115.9	123.7	127.3	124.5	121.2	-2.2	-2.7
सिल्क, ऊन	24	172.0	176.8	197.8	209.3	218.5	225.1	4.4	3.0
जूट वस्त्र	25	114.3	106.0	105.0	105.8	99.6	107.9	-5.9	8.3
वस्त्रोत्पाद	26	158.7	153.1	156.1	162.4	166.3	190.3	2.4	14.4
लकड़ी फर्नीचर	27	128.5	121.0	101.4	104.3	92.8	76.5	-11.0	-17.6
कागज और प्रकाशन	28	146.4	169.8	180.5	164.0	169.0	180.5	3.0	6.8
चमड़े व रोयें	29	110.2	119.1	135.5	150.0	158.0	152.9	5.3	-3.2
रसायन	30	140.4	149.7	164.6	176.6	185.0	191.8	4.8	3.7
रबड़, पैट्रोलियम	31	124.6	138.7	137.2	153.4	170.4	179.7	11.1	5.5
अधात्विक उत्पाद	32	163.9	177.5	220.8	218.2	220.7	232.0	1.1	5.1
मूल धातु उद्योग	33	143.5	139.9	146.9	149.6	156.0	170.4	4.3	9.2
धातु उत्पाद	34	119.2	139.5	137.8	158.5	142.6	151.7	-10.0	6.4
अविद्युत मशीनरी	35	152.7	155.0	182.5	195.8	198.3	201.4	1.3	1.6
विद्युत मशीनरी	36	152.7	155.0	182.5	195.8	198.3	201.4	1.3	1.6
परिवहन उपस्कर	37	152.9	183.6	194.1	190.3	203.3	232.9	6.8	14.6
अन्य विनिर्माण	38	168.0	169.7	142.5	159.1	173.2	173.3	8.9	0.1
विनिर्माण	20-38	142.5	148.8	159.4	167.9	172.7	183.1	2.9	6.0
विद्युत	40	130.0	138.4	148.5	154.4	159.2	164.3	3.1	3.2
साधारण	10-40	139.5	145.2	154.9	162.6	167.0	176.6	2.7	5.7

2.07 *सेवा क्षेत्र का निष्पादन* : सारणी 5 में पिछले कुछ वर्षों के दौरान वितरण, संचार और वित्तीय सेवाओं का निष्पादन दर्शाने वाले कुछ मुख्य सूचकांक शामिल है । यह नोट करना सार्वधिक संगत है कि गैर-बैंकिंग वित्तीय सेवाओं में गिरावट पिछले वर्ष की तुलना में रूकी है जैसा कि निवल प्राप्तियों (2.8 प्रतिशत) के सूचकांक द्वारा दर्शाया गया है। यह गिरावट पिछले वर्ष (6.7 प्रतिशत) थी ।

सारणी-5: सेवा क्षेत्र के निष्पादन लिए प्रमुख संकेतक

	मद	सूचकांक 1993-94=100						वृद्धि दर	
		97-98	98-99	99-00	2000-01	2001-02	2002-03	2001-02	2002-03
1.	सकल व्यापार आय का सूचकांक	136.5	144.5	150.7	156.0	162.2	169.0	4.0	4.2
2.	रेलवे								
2.1	यात्री निवल किलोमीटर	128.2	136.3	145.4	154.3	165.7	173.9	7.4	4.9
2.2	माल टन किलोमीटर	111.5	110.6	119.8	122.7	130.8	138.5	6.6	5.9
3.	संचार	189.0	226.6	276.5	350.5	409.7	500.1	16.9	22.0
4.	प्रमुख बंदरगाहों पर उठाए गए माल की मात्रा का सूचकांक (वास्तविक रूप में वर्ष के अंत में)	140.6	140.6	151.9	157.0	160.7	175.1	2.4	9.0
5.	वास्तविक रूप में वर्ष के अंत में समाहारित जमा का सूचकांक	145.1	161.4	181.8	199.8	220.7	252.0	10.5	14.2
6.	वास्तविक रूप में गैर बैंकिंग, वित्तीय संस्थाओं का निवल प्राप्तियों का सूचकांक	174.9	187.3	223.9	198.1	184.9	190.0	-6.7	2.8

2.08 तालिका 6 से हाल के वर्षों के दौरान अर्थव्यवस्था के ढांचे में हुए उन परिवर्तनों का पता चलता है जो परिवर्तन के स्वरूप के अनुसार वर्ष 1993-94 से सकल घरेलू उत्पाद की संरचना में किए गए हैं। ऐसा देखा गया है कि जहां एक ओर वर्ष 2002-03 में प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर प्राथमिक क्षेत्र का अंश वर्ष 1993-94 में 31.0 प्रतिशत से घटकर क्रमशः 22.7 प्रतिशत और 22.0 प्रतिशत हो गया है वहीं दूसरी ओर वर्ष 2002-03 में प्रचलित और स्थिर मूल्यों पर तृतीय (सेवा) क्षेत्र का अंश वर्ष 1993-94 के 42.8 प्रतिशत से बढ़कर क्रमशः 50.7 प्रतिशत और 50.8 प्रतिशत हो गया है ।

सारणी-6: व्यापक क्षेत्रों के अनुसार सकल देशीय उत्पाद

उद्योग		प्रतिशत अंश प्रचलित भावों पर			प्रतिशत अंश 1993-94 के भावों पर	
		1993-94	2001-02	2002-03	2001-02	2002-03
1	प्राथमिक (कृषि, वानिकी एवं मत्स्यन)	31.0	25.0	22.7	24.1	22.0
2	गौण *	26.2	25.7	26.6	26.6	27.2
3	तृतीयक **	42.8	49.3	50.7	49.3	50.8
जोड़		100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

* खनन तथा उत्खनन, विनिर्माण, विद्युत, गैस एवं जल आपूर्ति एवं निर्माण शामिल हैं ।

** व्यापार, होटल एवं जलपानगृह, परिवहन भण्डारण तथा संचार , वित्त व्यवस्था, बीमा, स्थावर संपदा एवं व्यावसायिक सेवाए, सामुदायिक, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं शामिल हैं ।

सकल देशीय उत्पाद का प्रतिशत अंश

(प्रचलित भावों पर)

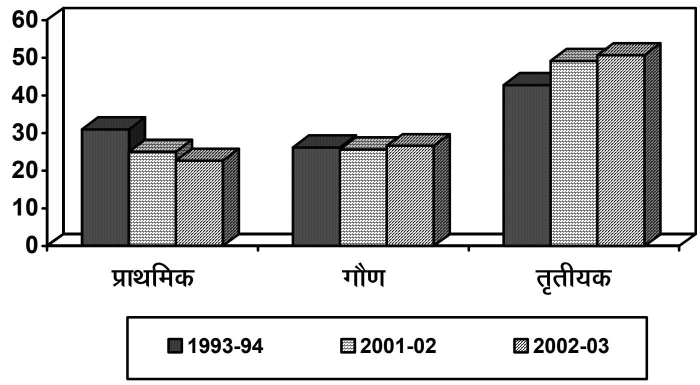

2.09 वर्ष 2002-03 के दौरान प्रत्यक्ष रूप से एकत्रित मूल्य आंकड़ों पर आधारित विभिन्न मूल्य सूचकांकों की प्रतिशत वृद्धि दर 3.4 से लेकर 4.1 तक भिन्न-भिन्न रही। मूल्य आंकड़ों पर आधारित इन मूल्य सूचकांकों की प्रवृत्ति के सामंजस्य में निवल घरेलू उत्पाद के प्रचलित और स्थिर मूल्य अनुमानों में अंतर्निहित मूल्य सूचकांक में वर्ष 2002-03 में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

सारणी-7: मूल्य सूचकांक (1993-94=100)

	मद	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03	वृद्धि		
						2000-01	2001-02	2002-03
क	राष्ट्रीय लेखा से व्युत्पन्न(अंतर्निहित)							
1.	निवल देशीय उत्पाद	155.0	160.5	166.5	172.4	3.5	3.7	3.5
2.	निजी अंतिम उपभोग व्यय	159.4	165.9	172.4	177.3	4.1	3.9	2.8
3	सकल पूंजी निर्माण	139.6	143.6	152.2	154.0	2.9	6.0	1.2
3.1	निर्माण कार्य	158.9	164.0	171.9	177.0	3.2	4.8	3.0
3.2	मशीनरी एवं उपस्कर	125.1	131.7	137.1	137.3	5.3	4.1	0.1
ख	यथा उपलब्ध							
4.	थोक मूल्य सूचकांक	145.3	155.7	161.3	166.8	7.2	3.6	3.4
5.	उपभोक्ता मूल्य *							
5.1	कृषि मजदूर	157.4	157.0	158.4	163.6	-0.3	-0.1	3.9
5.2	औद्योगिक श्रमिक	165.8	172.1	179.5	186.8	3.8	4.3	4.1
5.3	शहरी गैर श्रमिक कर्मचारी	163.0	172.1	180.6	187.5	5.6	4.9	3.8

* सूचकांक 1993-94 से भिन्न आधार पर उपलब्ध हैं । इन्हें 1993-94 =100 के आधार पर परिवर्तित किया गया है ।

उपभोग व्यय, बचत और पूंजी निर्माण

2.10 बाजार मूल्यों पर सकल देशीय उत्पाद (जीडीपी), कारक लागत पर सकल देशीय उत्पाद में अप्रत्यक्ष कर एवं समायोजित आर्थिक सहायता को जोड़कर प्राप्त किया जाता है । सामान्यतः जीडीपी पर व्यय के विभिन्न घटकों उदाहरणार्थ, उपभोग व्यय और पूंजी निर्माण के रूप में बाजार मूल्य पर मापा जाता है, निम्नलिखित पैराग्राफ में केवल बाजार मूल्य पर अनुमानों के संबंध में चर्चा की गई है ।

निजी अंतिम उपभोग व्यय

2.11 देशीय बाजार में प्रचलित और स्थिर दोनों मूल्यों पर निजी अंतिम उपभेग व्यय (पीएफसीई) के अनुमान सारणी-8 में दिये गये हैं । 2001-02 में प्रचलित मूल्य पर 14,94,050 करोड़ रूपये के पी एफसीई के मुकाबले में 2002-03 में 15,91,132 करोड़ रू. निकाला गया है । इस प्रकार 2002-03 में पीएफसीई , बाजार मूल्य पर जीडीपी का 64.4 प्रतिशत बनता है । वर्ष 2001-02 के स्थिर (1993-94) मूल्यों पर 8,66,736 करोड़ रू. के पीएफसीई के मुकाबले में 2002-03 में 8,97,243 करोड़ रू. निकलता है । प्रति व्यक्ति निजी अंतिम उपभोग व्यय वर्ष 2002-03 में प्रचलित एवं स्थिर (1993-94) मूल्यों पर क्रमशः 15,082 एवं 8,505 रू. रहा जबकि वर्ष 2001-02 में यह प्रचलित मूल्यों पर 14,407 रू. एवं स्थिर मूल्यों पर 8,358 रू. था। खाद्य, पेय पदार्थ एवं तंबाकू (सारणी-9 देखें) छोड़कर पिछले वर्ष की तुलना में लगभग सभी समूहों के व्यय में प्रचलित और स्थिर दोनों मूल्यों पर 2002-03 में वृद्धि हुई। उसी प्रकार इन दो वर्षों के दौरान विभिन्न समूहों का हिस्सा कम या अधिक उसी क्रम में रहा ।

सारणी-8: निजी अंतिम उपभोग व्यय

वर्ष	प्रचलित मूल्यों पर		1993-94 के मूल्यों पर		1993-94 के मूल्यों पर पिछले वर्ष की तुलना में वृद्धि	
	योग (करोड़ रूपये)	प्रति व्यक्ति (रूपये)	योग (करोड़ रूपये)	प्रति व्यक्ति (रूपय)	योग	प्रति व्यक्ति
1993-94	574772	6444	574772	6444	-	-
1994-95	664157	7298	601481	6610	4.6	2.6
1995-96	765797	8252	638938	6885	6.2	4.2
1996-97	903653	9552	689566	7289	7.9	5.9
1997-98	981671	10183	707285	7337	2.6	0.7
1998-99	1139411	11591	752440	7655	6.4	4.3
1999-00	1271556	12703	797653	7969	6.0	4.1
2000-01	1360018	13347	819637	8044	2.8	0.9
2001-02	1494050	14407	866736	8358	5.7	3.9
2002-03	1591132	15082	897243	8505	3.5	1.8

सारणी-9: देशीय बाजार में वस्तुओं एवं सेवाओं के अनुसार निजी अंतिम उपभोग व्यय

(करोड़ रूपये)

मद	प्रचलित मूल्यों पर				1993-94 के मूल्यों पर		
	1993-94	2000-01	2001-02	2002-03	2000-01	2001-02	2002-03
खाद्य, पेय पदार्थ एवं तंबाकू	315243	643300	708048	713092	387447	413672	408925
कपड़े एवं जूते	34999	62609	60421	70026	43035	42475	46541
सकल भाड़ा, ईंधन एवं शक्ति	68239	155285	172199	187795	88674	90695	93782
फर्नीचर, साजसज्जा, उपस्कर एवं सेवाएं	17610	40987	43292	46572	30123	30850	32649
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं	19543	99338	114413	128278	41213	45805	50906
परिवहन एवं संचार	64993	192876	213036	235866	122910	132382	146333
मनोविनोद, शिक्षा एवं सांस्कृतिक सेवाएं	17626	48429	50317	53842	31100	31909	33782
विविध पदार्थ एवं सेवाएं	36519	117194	132324	155661	75135	78948	84325
देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय	574772	1360018	1494050	1591132	819637	866736	897243

देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय में उपभोग किए गए विभिन्न समूहों का अंश (प्रचलित मूल्यों पर)

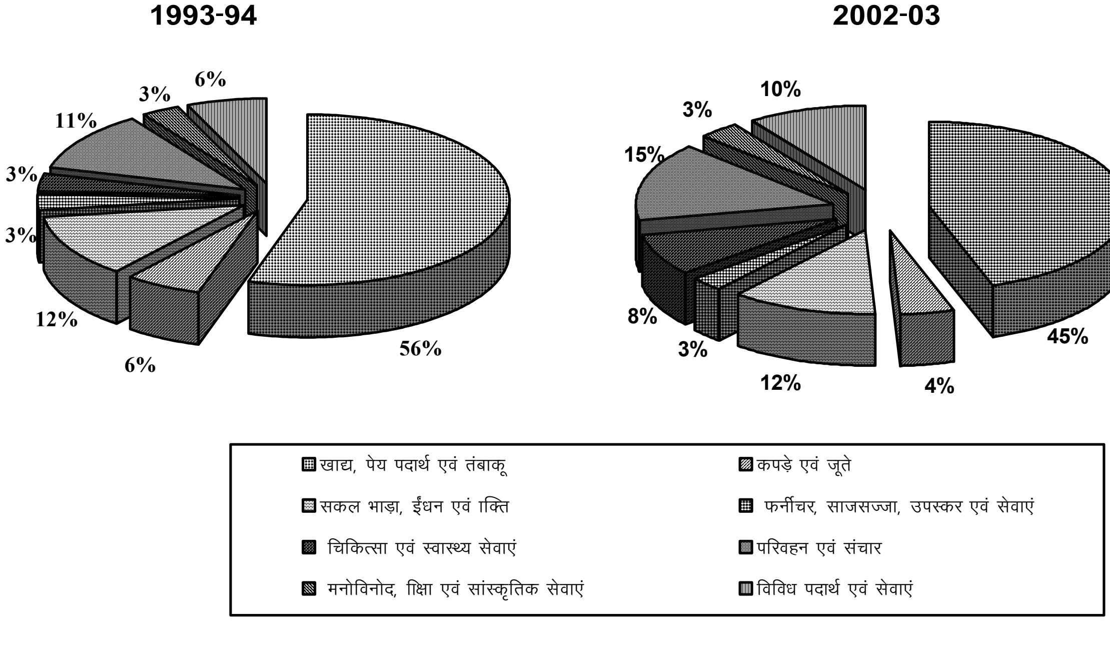

देशीय बचत

2.12 2002-03 में प्रचलित मूल्य पर सकल घरेलू बचत, पिछले वर्ष 23.5 प्रतिशत के मुकाबले बाजार मूल्य पर जीडीपी का 24.2 प्रतिशत बनाते हुए, 2001-02 में 5,35,185 करोड़ रू. के मुकाबले 5,97,697 करोड़ रू. के बराबर मानी गयी (सारणी 10 देखें)। पारिवारिक क्षेत्र और निजी निगमित क्षेत्र का जीडीएस की बढ़ोतरी में योगदान रहा । पारिवारिक क्षेत्र की बचत 2001-02 में 5,19,040 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 5,59,258 करोड़ रू. तक हो गई अर्थात 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई और निजी निगमित क्षेत्र की बचत 2001-02 में 78,849 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 84,169 करोड़ रूपये हो गई अर्थात् 6.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सार्वजनिक क्षेत्र की बचत 2001-02 में (-) 62,704 करोड़ रूपये से घटकर 2002-03 में (-) 45,730 करोड़ रूपये हो गई । वित्तीय बचत और वास्तविक परंसंपत्तियों में बढ़ोत्तरी के कारण पारिवारिक क्षेत्र की बचत में वृद्धि हुई है । सार्वजनिक क्षेत्र में बढ़ोत्तरी मुख्यतः सरकारी प्रशासन के बचत के 2001-02 में 75,035 करोड़ रू. से 2002-03 में 91,909 करोड़ रू. तक बढ़ जाने के कारण है । तदनुसार निवल घरेलू बचत 2001-02 के 3,17,431 करोड़ रूपये से बढ़कर 2002-03 में 3,62,654 करोड़ रूपये हो गई है और 2001-02 में 15.4 प्रतिशत के मुकाबले 2002-03 में बाजार मूल्य पर निवल देशीय उत्पाद का 16.2 प्रतिशत बनता है । जैसाकि सकल बचत के मामले में है, पारिवारिक क्षेत्र की निवल बचत 2001-02 में 4,41,863 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 4,74,658 करोड़ रू. तक हो गई अर्थात् 7.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई है और निजी निगमित क्षेत्र की निवल बचत 2001-02 में 20,752 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 21,430 करोड़ रू. रह गई अर्थात् 3.3 प्रतिशत तक वृद्धि हो गई है । सार्वजनिक क्षेत्र की निवल अबचत पिछले वर्ष के मुकाबले में 2002-03 में 8.1 प्रतिशत घट गयी है ।

सारणी-10: देशीय बचत

(प्रचलित मूल्यों पर)

(करोड़ रूपये)

	मद	1993-94	1997-98	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1.	सकल घरेलू बचत	193621	352178	374659	468681	495986	535185	597697
1.1	पारिवारिक क्षेत्र	158310	268437	326802	404401	458215	519040	559258
1.2	निजी निगमित क्षेत्र	29866	63486	65026	84329	86142	78849	84169
1.3	सार्वजनिक क्षेत्र	5445	20255	-17169	-20049	-48371	-62704	-45730
2.	निवल देशीय बचत	110268	200181	206593	286322	298091	317431	362654
2.1	पारिवारिक क्षेत्र	129369	216000	269551	342587	392134	441863	474658
2.2	निजी निगमित क्षेत्र	12838	25660	21443	35655	30579	20752	21430
2.3	सार्वजनिक क्षेत्र	-31939	-41479	-84401	-91920	-124622	-145184	-133434
3.	निवल पूंजी अंतरप्रवाह	4791	22302	18362	21988	12847	-7268	-22664
4.	बाजार भावों पर सकल देशीय उत्पाद	859220	1522547	1740985	1936831	2089499	2282143	2469564
5.	सकल बचत प्रतिशत की दर	22.5	23.1	21.5	24.2	23.7	23.5	24.2
5.1	पारिवारिक क्षेत्र	18.4	17.6	18.8	20.9	21.9	22.7	22.6
5.2	निजी निगमित क्षेत्र	3.5	4.2	3.7	4.4	4.1	3.5	3.4
5.3	सार्वजनिक क्षेत्र	0.6	1.3	-1.0	-1.0	-2.3	-2.7	-1.9

देशीय बचत

(करोड़ रूपये)

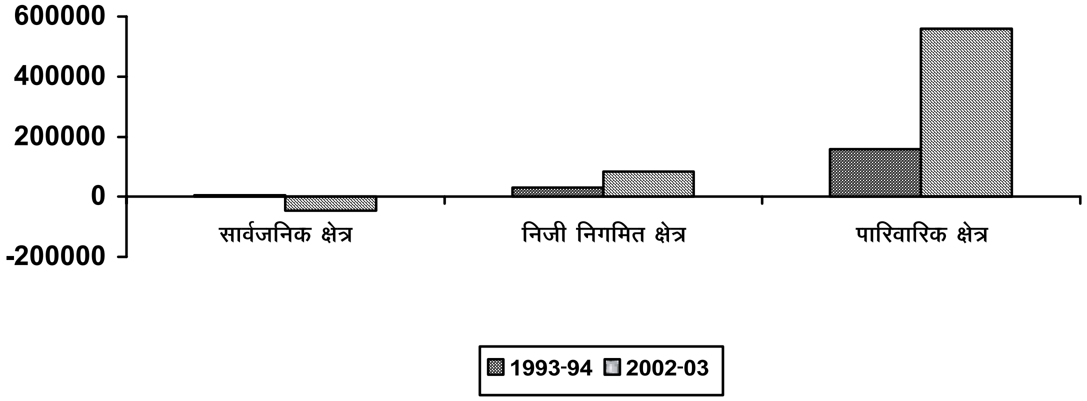

पूंजी निर्माण

2.13 प्रचलित मूल्यों पर सकल पूंजी निर्माण 2001-02 में 5,27,917 करोड़ रूपये से बढ़कर 2002-03 में 5,75,033 करोड़ रूपये हुई और स्थिर (1993-94) मूल्यों पर यह 2001-02 में 3,46,907 करोड़ रूपये से 2002-03 में 3,73,399 करोड़ रूपये हो गई (सारणी-11 में समायोजित अनुमान देखें)। प्रचलित मूल्यों पर सकल पूंजी निर्माण की दर (बाजार मूल्य पर सकल देशीय उत्पाद के प्रतिशत के रूप में लिया गया) 2001-02 में 23.1 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2002-03 में 23.3 प्रतिशत हो गई । 2002-03 में पूंजी निर्माण की दरें विदेश से नकारात्मक निवल पूंजी अंर्तप्रवाह के कारण, बचत की तदनुरूपी दरों से कम है। विदशों से निवल पूंजी प्रवाह 2002-03 में (-)22,664 करोड़ रू. था (सारणी 10 देखें)। 2002-03 का विदेशों से निवल पूंजी प्रवाह, बाजार दरों पर सकल घरेलू उत्पाद का (-) 0.9 प्रतिशत है। सकल पूंजी निर्माण की दर भी स्थिर (1993-94) मूल्यों पर 2001-02 में 25.1 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 2002-03 में 25.8 प्रतिशत हो गई। प्रचलित मूल्यों पर निवल पूंजी निर्माण की दर, 2001-02 में 15.0 प्रतिशत की तुलना में 2002-03 में 15.2 प्रतिशत हो गई तथा स्थिर (1993-94) मूल्यों पर 2001-02 में 16.5 प्रतिशत की तुलना में 2002-03 में 17.2 प्रतिशत हो गई।

सारणी-11: पूंजी निर्माण

(करोड़ रूपये)

मद		प्रचलित मूल्यों पर				1993-94 के मूल्यों पर		
		1993-94	2000-01	2001-02	2002-03	2000-01	2001-02	2002-03
1.	सकल पूंजी निर्माण	182619	472708	509060	563816	329198	334522	366137
1.1	सकल स्थायी पूंजी निर्माण	184293	459240	500411	555215	315239	328656	359426
1.1.1	सार्वजनिक	68853	126048	126284	143820	78341	74536	81866
1.1.2	निजी निगमित	51388	102465	113191	115026	77311	81691	84092
1.1.3	पारिवारिक	64052	230727	260936	296369	159587	172429	193468
1.2	स्टॉक में अंतर	-1674	13468	8649	8601	13959	5866	6711
1.2.1	सार्वजनिक	1981	5457	6719	-3434	3377	4342	-1043
1.2.2	निजी निगमित	-3175	3244	-1870	3553	7316	-1026	2275
1.2.3	पारिवारिक	-480	4767	3800	8482	3266	2550	5479
2.	भूलचूक	15793	36125	18857	11217	24797	12385	7262
3.	सकल पूंजी निर्माण समायोजित							
3.1	सकल	198412	508833	527917	575033	353995	346907	373399
3.2	निवल	115059	310938	310163	339990	217895	204360	223302
4.	बाजार मूल्य पर देशीय उत्पाद में पूंजी निर्माण की प्रतिशतता							
4.1	सकल	23.1	24.4	23.1	23.3	26.9	25.1	25.8
4.2	निवल	14.8	16.4	15.0	15.2	18.5	16.5	17.2

पूंजी निर्माण प्रचलित मूल्यों पर

(प्रतिशत अंश)

1993-94

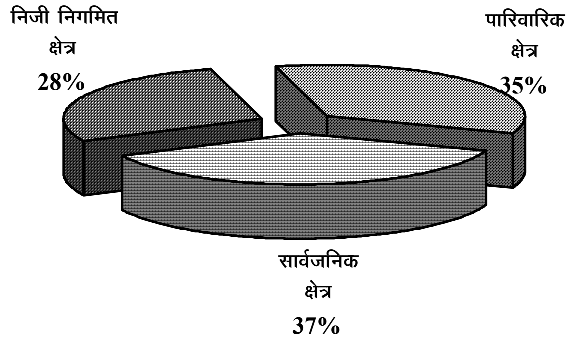

2002-03

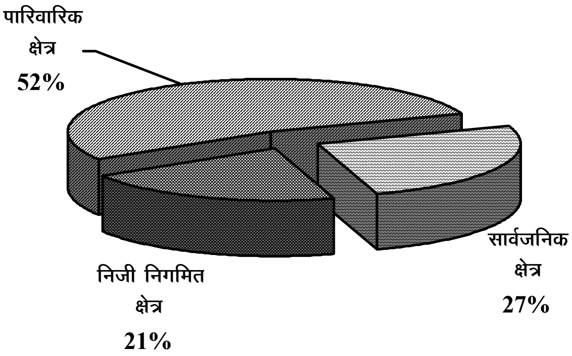

2.14 प्रचलित दरों पर सकल स्थिर पूंजी निर्माण 2001-02 के 5,00,411 करोड़ रू. की तुलना में 2002-03 में 5,55,215 करोड़ रू. हो गया, इसमें 2002-03 के दौरान 11.0 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई है । प्रचलित मूल्यों पर सार्वजनिक क्षेत्र का स्थिर पूंजी निर्माण 2001-02 में 1,26,284 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 1,43,820 करोड़ रू. हो गया, इसमें 13.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाई गई जबकि निजी निगमित क्षेत्र में 2001-02 में 1,13,191 करोड़ रू. से बढ़कर 2002-03 में 1,15,026 करोड़ रू. हो गया, इसमें 1.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा घरेलू क्षेत्र में 2001-02 के 2,60,936 करोड़ रू. की तुलना में वर्ष 2002-03 में 2,96,369 करोड़ रू. होकर 13.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की ।

2.15 प्रचलित मूल्यों पर इन्वेन्टरी में परिवर्तन, थोड़ा घटा (-0.6 प्रतिशत) जो कि 2001-02 में 8,649 करोड़ रूपये से बढ़कर 2002-03 में 8,601 करोड़ रूपये हो गया । सार्वजनिक क्षेत्र के स्टॉक में परिवर्तन वर्ष 2001-02 में 6,719 करोड़ रू. की तुलना में 2002-03 में (-)151.1 प्रतिशत की कमी दर्शाते हुए (-)3,434 करोड़ रू. हो गया । निजी निगमित क्षेत्र में यह वर्ष 2001-02 के (-)1870 करोड़ रू से बढ़कर वर्ष 2002-03 में 3,553 करोड़ रू. हो गयी जबकि पारिवारिक क्षेत्र में यह वर्ष 2001-02 के 3,800 करोड़ की तुलना में बढ़कर वर्ष 2002-03 में 8,482 करोड़ हो गई ।

2.16 सारणी-12 में समग्र अर्थ व्यवस्था के साथ-साथ चुनिन्दा उद्योगों के लिए स्थिर (1993-94) मूल्यों पर भूलचूक के लिए असमायोजित सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) के अनुमान दिए गए हैं । 'परिवहन, भंडारण एवं संचार' क्षेत्र के सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में गिरावट के बावजूद भी 'फसल एवं पशुपालन' तथा 'समुदाय, वैयक्तिक एवं सामाजिक सेवा' के उद्योग-समूहों में सकल पूंजी निर्माण (जीसीएफ) में वृद्धि के कारण अर्थव्यवस्था में जीसीएफ में 6.9 प्रतिशत की वास्तविक वृद्धि हुई ।

सारणी-12: चयनित उद्योगों में सकल पूंजी निर्माण

(1993-94 के भावों पर)

(करोड़ रूपये)

	उद्योग	1993-94	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1.	फसल एवं पशुपालन	13523	17304	16906	17328	18657
2.	विनिर्माण	58702	113355	92734	78540	97483
3.	परिवहन, भंडारण एवं संचार	22770	28203	37311	32825	29239
4.	समुदाय, सामाजिक एवं वैयक्तिक सेवाएं	16535	28788	28316	37718	48610
5.	कुल	181133	267284	262146	253230	270825

3. सार्वजनिक क्षेत्र

3.01 वर्ष 2002-03 में प्रशासनिक विभागों, विभागीय उद्यमों और गैर-विभागीय उद्यमों को शामिल कर सार्वजनिक क्षेत्र ने सकल घरेलू उत्पाद में 25.0 प्रतिशत का अंशदान किया तथा सकल घरेलू पूंजी निर्माण में 24.9 प्रतिशत का अंशदान किया जिसमें प्रमुख अंशदान गैर-विभागीय उपक्रमों का था(तालिका 13 देखें)। दूसरी ओर घरेलू बचतों में सार्वजनिक क्षेत्र का अंशदान (-)7.7 प्रतिशत ऋणात्मक रहा। सकल घरेलू उत्पाद में इसके अंशदान की तुलना में पूंजी निर्माण में इसका अंशदान अधिक था जबकि बचत में इसका अंशदान ऋणात्मक था। प्रशासनिक विभागों में पूंजी निर्माणकी बड़ी राशि या तो सड़कों एवं पुलों के रूप में अथवा अन्य निर्माण कार्यों के रूप में है, जिन्हें जनसमूह को निःशुल्क अथवा काफी रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक सेवाएं उत्पादन करने के लिए उपयोग किया गया है। गैर-विभागीय उद्यमों के मामले में आय तथा बचत में हिस्सा पूंजी निर्माण पर व्यय से अपेक्षाकृत कम है। पूंजी निर्माण का बड़ा अंश सार्वजनिक क्षेत्र से बाहर के संसाधनों से वित्त-पोषित किया जाता है।

सारणी-13: सार्वजनिक क्षेत्र का निष्पादन प्रचलित मूल्यों पर

(कुल अर्थव्यवस्था में प्रतिशत भाग)

मद		1993-94	1998-99	1999-00	2000-01	2001-02	2002-03
1.	सकल देशीय उत्पाद	25.9	25.4	25.5	24.5	24.2	25.0
1.1	प्रशासनिक विभाग *	8.7	9.8	10.6	10.4	10.1	10.2
1.2	विभागीय उद्यम	3.7	3.6	3.4	2.9	2.4	2.5
1.3	गैर विभागीय उद्यम	13.5	12.0	11.4	11.2	11.7	12.3
2.	सकल देशीय पूंजी निर्माण	38.8	30.8	29.3	27.8	26.1	24.9
2.1	प्रशासनिक विभाग *	8.6	8.5	8.0	8.3	8.0	9.4
2.2	विभागीय उद्यम	9.2	6.5	6.2	0.5	3.6	3.8
2.3	गैर-विभागीय उद्यम	21.0	15.8	15.1	19.0	14.5	11.7
3.	सकल देशीय बचत	2.8	-4.6	-4.3	-9.7	-11.7	-7.7
3.1	प्रशासनिक विभाग *	-13.4	-23.6	-20.6	-22.8	-25.9	-23.4
3.2	विभागीय उद्यम	3.8	2.6	2.4	1.0	0.2	0.4
3.3	गैर-विभागीय उद्यम	12.4	16.4	13.9	12.1	14.0	15.3

*अर्ध सरकारी निकाय में सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हें ।

3.02 प्रचलित मूल्यों पर सकल घरेलू पूंजी-निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र का अंश जो 1993-94 में 38.8 प्रतिशत था वह वर्ष 2002-03 में घटकर 24.9 प्रतिशत रह गया । सकल देशीय पूंजी निर्माण में सार्वजनिक क्षेत्र के भाग में ह्रास, इस अवधि के दौरान विभागीय तथा गैर विभागीय उद्यमों के संगत भाग के ह्रास के कारण हुआ । सकल घरेलू बचत में सार्वजनिक क्षेत्र का भाग 1993-94 में 2.8 प्रतिशत से 2002-03 में घटकर (-)7.7 प्रतिशत रह गया ।

3.03 सारणी-14 सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों में स्थिर (1993-94) मूल्यों पर सकल देशीय उत्पाद में वृद्धि को दर्शाता है । यह स्पष्ट है कि सार्वजनिक क्षेत्र में वृद्धि की प्रवृत्ति निजी क्षेत्र में वृद्धि, प्रवृत्ति के अनुसार नहीं है । गैर विभागीय उद्यम जो पूर्णतः वाणिज्यक प्रकृत्ति के हैं के लिए भी प्रवृत्ति समरूप नहीं है । यह स्पष्ट है क्योंकि निजी क्षेत्र में प्रवृत्ति, समस्या और दिक्कते सार्वजनिक क्षेत्र से भिन्न हैं । सार्वजनिक क्षेत्र के कार्यकलाप जो मुख्यतः कुल विद्युत कवरेज, गैस तथा जल-आपूर्ति, रेलवे, संचार, लोक प्रशासन और बैंकिंग और बीमा क्षेत्र के अलावा अन्य सेवाओं(शिक्षा और चिकित्सा), के उत्पादन करने वाले क्षेत्रों, विनिर्माण और भंडारण में संकेद्रित हैं । कार्यकलापों के गैर-तुलनीय संयोजनों, मूल

आंकड़ा तथा इन दो संस्थागत क्षेत्रों के बीच सकल घरेलू उत्पाद के परिकलन में सादृश्य की भिन्नताओं के कारण आर्थिक कार्यकलापों के प्रकार द्वारा कोई विश्लेषण अर्थपूर्ण नहीं हो सकता ।

सारणी-14: सकल देशीय उत्पाद में वृद्धि

(1993-94 के मूल्यों पर)

(प्रतिशत)

वर्ष	कुल सकल देशीय उत्पाद	सकल देशीय उत्पाद-सार्वजनिक क्षेत्र				सकल देशीय उत्पाद-निजी क्षेत्र		
		कुल	प्रशासनिक *	विभागीय वाणिज्यिक उपक्रम	अविभागीय वाणिज्यिक उपक्रम	कुल	कृषि	कृषितर
1994-95	7.3	7.2	1.8	7.0	10.7	7.3	5.1	8.7
1995-96	7.3	6.0	7.4	5.3	5.4	7.8	-1.1	13.2
1996-97	7.8	4.5	5.4	6.0	3.6	9.0	10.1	8.4
1997-98	4.8	11.9	13.4	12.7	10.7	2.5	-2.8	5.3
1998-99	6.5	7.4	10.1	12.3	4.3	6.2	6.9	5.8
1999-00	6.1	5.6	14.3	11.8	-2.1	6.2	-0.1	9.4
2000-01	4.4	0.9	2.7	-14.7	4.8	5.6	-0.4	8.4
2001-02	5.8	7.3	1.7	11.7	10.4	5.2	6.4	4.6

*अर्ध सरकारी निकाय में सार्वजनिक क्षेत्र शामिल हें ।

3.04 सारणी-15 वर्ष 1993-94, 2000-01 तथा 2001-02 के लिये प्रचलित मूल्यों पर सरकारी व्यय का प्रयोजनात्मक वितरण दर्शाता है । यह देखा गया है कि वर्ष 1993-94 से 2001-02 के दौरान, प्रचलित व्यय मे बढ़ोतरी 193 प्रतिशत से अधिक हुई है जबकि पूंजीगत व्यय में यह बढ़ोतरी मात्र 74 प्रतिशत ही हुई है ।

सारणी-15: प्रशासनिक विभागों के व्यय का प्रयोजनात्मक वर्गीकरण

(प्रचलित मूल्यों पर)

(करोड़ रूपये)

प्रयोजन		1993-94		2000-01		2001-02	
		प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय	प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय	प्रचलित व्यय	पूंजीगत व्यय
1.	सामान्य सार्वजनिक सेवाएं	22055	1839	64073	3656	659656	4312
2.	रक्षा	25637	169	62699	186	68467	276
3.	शिक्षा	26826	704	78914	2253	79597	1695
3.1	प्रशासन, विनियमन एवं अनुसंधान	1342	4	3645	76	4982	32
3.2	गौण सेवाओं सहित,विद्यालय विश्वविद्यालय और संस्थाएं	25484	700	75269	2177	74615	1663
4.	स्वास्थ्य	5839	409	16277	1022	15704	1316
4.1	प्रशासन विनियमन एवं अनुसंधान	689	13	1862	87	1675	93
4.2	अस्पताल, क्लिनिक और अलग-अलग स्वास्थ्य सेवाएं	5150	396	14415	935	14029	1223
5.	सामाजिक सुरक्षा और कल्याण सेवाएं	6414	591	17033	1595	17149	1242
6.	आवासीय और अन्य सामुदायिक सुविधाएं	4014	6736	9528	18693	10443	15831
7.	सांस्कृतिक, मनोरंजक और धार्मिक सेवाएं	963	279	3169	355	3271	4765
8.	आर्थिक सेवाएं	38227	38950	96145	62138	117950	55850
8.1	सामान्य प्रशासन, विनियमन और अनुसंधान	3294	11610	13485	1476	17964	1809
8.2	कृषि, वानिकी, मत्स्यन और आखेटन	18222	3440	42944	7196	50132	974
8.3	खनन, विनिर्माण और निर्माण	6346	6297	14573	6476	22691	10526
8.4	विद्युत, गैस, भाप और जल	3896	11283	11627	27545	15050	20710
8.5	परमाणु ऊर्जा	803	379	2634	994	3367	744
8.6	परिवहन और संचार	3900	5479	7549	19466	5472	19573
8.7	अन्य आर्थिक सेवाएं	1765	462	3333	-1015	3274	1514
9.	अन्य आर्थिक सेवाएं	583	70	1710	954	3645	1240
10.	कुल	130558	49747	349548	90852	382191	86527

4. लम्बी अवधि की प्रवृत्ति

4.01 1950-51 से 2002-03 की दीर्घकालिक अंकमाला देखें जो विवरणी एस-1 (मूल पाठ) में दी गई है जिसे सारणी 16 में वृद्धि दरों तथा अन्य दरों (अर्थात् पूंजी निर्माण दर आदि) के रूप में संक्षिप्त रूप में वर्णन किया गया है । 1951-52 से 2002-03 के दौरान प्रति व्यक्ति आय ने स्थिर (1993-94) मूल्यों पर प्रति वर्ष 2.2 प्रतिशत की वार्षिक औसत वृद्धि दर्ज की । राष्ट्रीय आय इसी अवधि के दौरान 4.3 प्रतिशत की औसत दर से बढ़ी । वृद्धि का उच्चतम स्तर जो कि 6.7 प्रतिशत है आठवीं पंचवर्षीय योजना अवधि में प्राप्त किया गया । निजी अंतिम उपभोग व्यय, सरकारी अंतिम उपभोग व्यय, तथा सकल देशीय पूंजी निर्माण जैसे व्यय समाहारों ने 1951-2003 के दौरान में 1993-94 मूल्यों पर क्रमशः 3.8, 5.9 एवं 6.3 प्रतिशत वृद्धि दरें दर्ज की हैं ।

सारणी-16 (क) : वार्षिक औसत वृद्धि दर

योजना अवधि		कारक लागत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद		कारक लागत पर निवल राष्ट्रीय उत्पाद		कारक लागत पर प्रति व्यक्ति निवल राष्ट्रीय उत्पाद	
		प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों पर
प्रथम योजना	1951-56	1.8	3.7	1.5	3.6	-0.3	1.8
द्वितीय योजना	1956-61	9.5	4.2	9.4	4.1	7.3	2.0
तृतीय योजना	1961-66	9.6	2.8	9.5	2.5	7.1	0.2
वार्षिक योजना	1966-69	12.2	3.9	12.2	3.8	9.8	1.5
चतुर्थ योजना	1969-74	11.1	3.4	11.0	3.3	8.5	1.0
पंचम योजना	1974-79	10.7	5.0	10.4	5.0	7.9	2.7
वार्षिक योजना	1979-80	9.4	-5.0	8.3	-6.0	5.7	-8.3
छठी योजना	1980-85	15.2	5.5	15.1	5.4	12.7	3.2
सातवीं योजना	1985-90	14.4	5.8	14.2	5.8	11.8	3.6
वार्षिक योजना	1990-91	16.5	5.5	16.7	5.4	14.3	3.3
वार्षिक योजना	1991-92	15.0	1.1	14.3	0.5	12.0	-1.5
आठवीं योजना	1992-97	16.3	6.8	16.3	6.7	14.0	4.6
नवीं योजना	1997-2002	11.1	5.6	11.2	5.6	9.2	3.7
	2002-03	7.3	3.7	7.2	3.5	5.4	1.8
औसत	1951-2003	11.2	4.4	11.1	4.3	8.8	2.2

सारणी-16 (ख) : प्रमुख खर्च समाहारों की वृद्धि दर

योजना अवधि		देशीय बाजार में निजी अंतिम उपभोग व्यय		सरकारी अंतिम उपभोग व्यय		सकल देशीय पूंजी निर्माण		सकल बचत
		प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों	प्रचलित भावों पर	1993-94 के भावों	प्रचलित भावों पर
प्रथम योजना	1951-56	उप.नही है	4.1	5.1	1.2	13.2	10.4	10.2
द्वितीय योजना	1956-61	उप.नही है	3.7	9.8	6.1	13.1	7.1	8.5
तृतीय योजना	1961-66	8.8	2.6	16.6	13.1	12.8	7.5	14.4
वार्षिक योजना	1960-69	10.8	3.2	10.1	2.8	5.2	-1.7	7.0
चतुर्थ योजना	1969-74	10.6	2.4	11.0	5.7	17.9	7.3	19.1
पंचम योजना	1974-79	10.3	4.4	13.6	4.8	16.0	6.9	16.6
वार्षिक योजना	1979-80	8.6	-2.2	15.0	6.3	4.6	-11.6	2.7
छठी योजना	1980-85	14.4	5.0	16.4	6.1	14.7	4.0	13.7
सातवीं योजना	1985-90	12.1	4.4	16.8	7.8	19.5	9.0	18.5
वार्षिक योजना	1990-91	14.3	4.5	14.0	3.4	25.4	13.7	22.8
वार्षिक योजना	1991-92	15.3	2.2	12.5	-0.7	-1.5	-12.3	9.6
आठवीं योजना	1992-97	15.2	5.1	14.5	4.7	18.2	9.6	17.4
नवीं योजना	1997-2002	10.6	4.7	14.5	8.1	9.8	5.6	11.2
	2002-03	6.5	3.5	8.6	3.1	8.9	7.6	11.7
औसत	1951-2003	11.7*	3.8	12.9	5.9	14.0	6.3	13.8

*** 1961-2003 से संबंधित**

5. कारक आय

5.01 सारणियां-17 (क), 17 (ख), 17 (ग), और 17 (घ) अर्थव्यवस्था के संगठित तथा असंगठित खण्डों हेतु पृथक-पृथक विस्तृत उद्योग समूहों की कारक आय का परिमाण तथा वितरण प्रस्तुत करती हैं । सारणी 17 (ख) से यह प्रमाणित होता है कि कुल निवल देशीय उत्पाद में संगठित क्षेत्र का भाग 1993-94 में 36.8 प्रतिशत से बढ़कर 2001-02 में 41.5 प्रतिशत हो गया है । सामान्यतः यही रूख कारक आय के दोनों घटकों जिनके नाम हैं, कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति (सीई) तथा परिचालन अधिशेष (ओएस)/मिश्रित आय में भी प्रत्यक्षित होता है । सीई तथा ओएस/एमआई हेतु असंगठित खंड के भाग में गिरावट उसी क्रम में है ।

संगठित और असंगठित क्षेत्रों से निवल देशीय उत्पाद में अंश
2001-02

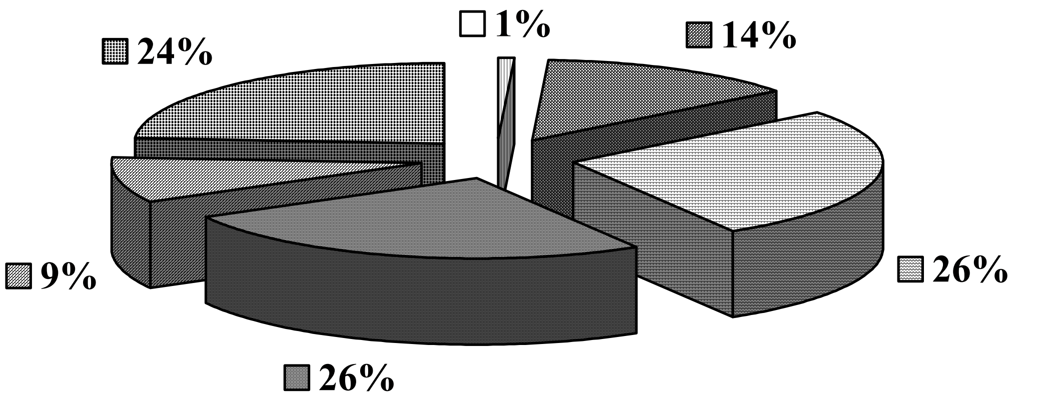

सारणी-17(क): वृहत उद्योग समूह में कारक आय

(करोड़ रूपये)

उद्योग		1993-94			2001-02		
		संगठित	असंगठित	कुल	संगठित	असंगठित	कुल
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	4206	36768	40974	9999	79214	89213
	2.प.अ./मि.आ	3840	185015	188855	6185	398799	404984
	3. नि.मू.वृ.	8046	221783	229829	16184	478013	494197
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	53843	26673	80516	139390	88109	227499
	2.प.अ./मि.आ	52890	32833	85723	117573	83042	200615
	3.नि.मू.वृ.	106733	59506	166239	256963	171151	428114
स. सेवाएं	1.क.पा.	95934	18538	114472	336672	54380	391052
	2.प.अ./मि.आ	46136	141316	187452	167983	391857	559840
	3. नि.मू.वृ.	142070	159854	301924	504655	446237	950892
द. योग	1. .क.पा.	153983	81979	235962	486061	221703	707764
	2.प.अ./मि.आ	102866	359164	462030	291741	873698	1165439
	3.नि.मू.वृ.	256849	441143	697992	777802	1095401	1873203

5.02 1993-94 से 2001-02 की अवधि के दौरान कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति (सीई) तथा मिश्रित आय एमआई / परिचालन अधिशेष के संदर्भ में अखिल भारतीय स्तर पर एनडीपी का आकार 34: 66 से 38: 62 हो गया है ।

सारणी-17 (ख): संगठित और असंगठित क्षेत्रों के अनुसार कारक आय का भाग

उद्योग		1993-94			2001-02		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	10.3	89.7	100.0	11.2	88.8	100.0
	2.प.अ./मि.आ	2.0	98.0	100.0	1.5	98.5	100.0
	3. नि.मू.वृ.	3.5	96.5	100.0	3.3	96.7	100.0
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	66.9	33.1	100.0	61.3	38.7	100.0
	2.प.अ./मि.आ	61.7	38.3	100.0	58.6	41.4	100.0
	3.नि.मू.वृ.	64.2	35.8	100.0	60.0	40.0	100.0
स. सेवाएं	1.क.पा.	83.8	16.2	100.0	86.1	13.9	100.0
	2.प.अ./मि.आ	24.6	75.4	100.0	30.0	70.0	100.0
	3. नि.मू.वृ.	47.1	52.9	100.0	53.1	46.9	100.0
द. योग	1. .क.पा.	65.3	34.7	100.0	68.7	31.3	100.0
	2.प.अ./मि.आ	22.3	77.7	100.0	25.0	75.0	100.0
	3.नि.मू.वृ.	36.8	63.2	100.0	41.5	58.5	100.0

सारणी 17 (ग): संगठित और असंगठित क्षेत्रों में वृहत उद्योग समूहों के अनुसार कारक आय का वितरण

(प्रतिशतता भाग)

उद्योग		1993-94			2001-02		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	1.6	8.3	5.9	1.3	7.2	4.8
	2.प.अ./मि.आ	1.5	41.9	27.1	0.8	36.4	21.6
	3. नि.मू.वृ.	3.1	50.3	32.9	2.1	43.6	26.4
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	21.0	6.0	11.5	17.9	8.0	12.1
	2.प.अ./मि.आ	20.6	7.4	12.3	15.1	7.6	10.7
	3.नि.मू.वृ.	41.5	13.5	23.8	33.0	15.6	22.9
स. सेवाएं	1.क.पा.	37.4	4.2	16.4	43.3	5.0	20.9
	2.प.अ./मि.आ	18.0	32.0	26.9	21.6	35.8	29.9
	3. नि.मू.वृ.	55.3	36.2	43.3	64.9	40.7	50.8
द. योग	1.क.पा.	60.0	18.6	33.8	62.5	20.2	37.8
	2.प.अ./मि.आ	40.0	81.4	66.2	37.5	79.8	62.2
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

संगठित और असंगठित क्षेत्रों में वृहत उद्योग समूहों के अनुसार कारक आय का वितरण
2001-02

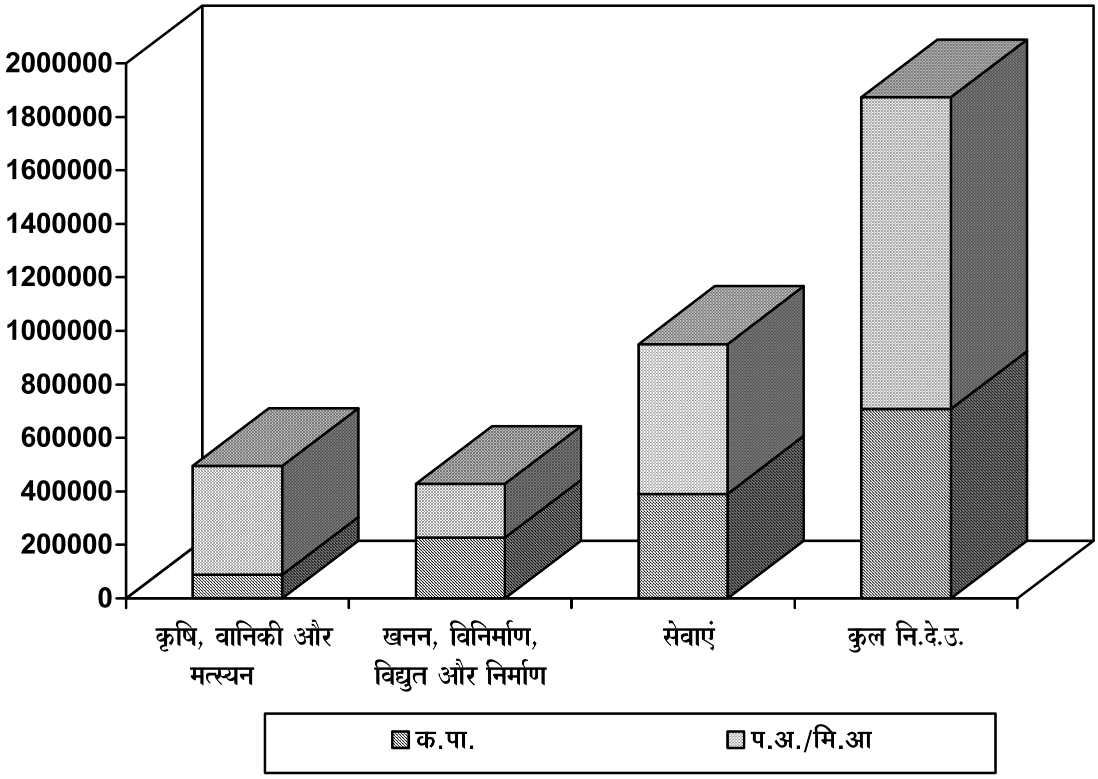

सारणी-17 (घ): वृहत उद्योग समूहों में कारक आय का भाग

उद्योग		1993-94			2001-02		
		संगठित	असंगठित	योग	संगठित	असंगठित	योग
अ. कृषि, वानिकी और मत्स्यन	1.क.पा.	52.3	16.6	17.8	61.8	16.6	18.1
	2.प.अ./मि.आ	47.7	83.4	82.2	38.2	83.4	81.9
	3. नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
ब. खनन, विनिर्माण, विद्युत और निर्माण	1.क.पा.	50.4	44.8	48.4	54.2	51.5	53.1
	2.प.अ./मि.आ	49.6	55.2	51.6	45.8	48.5	46.9
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
स. सेवाएं	1.क.पा.	67.5	11.6	37.9	66.7	12.2	41.1
	2.प.अ./मि.आ	32.5	88.4	62.1	33.3	87.8	58.9
	3. नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0
द. योग	1.क.पा.	60.0	18.6	33.8	62.5	20.2	37.8
	2.प.अ./मि.आ	40.0	81.4	66.2	37.5	79.8	62.2
	3.नि.मू.वृ.	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0	100.0

वर्ष 2004 तथा 2005 के दौरान राष्ट्रीय लेखा सांख्यिकी संबंधी विभिन्न विमोचनों के अग्रिम कैलेण्डर का विमोचन

सकल देशीय उत्पाद के तिमाही अनुमान

(1)	2003-04 की तिमाही 4	30.06.2004
(2)	2004-05 की तिमाही 1	30.09.2004
(3)	2004-05 की तिमाही 2	31.12.2004
(4)	2004-05 की तिमाही 3	31.03.2005
(5)	2004-05 की तिमाही 4	30.06.2005
(6)	2005-06 की तिमाही 1	30.09.2005
(7)	2005-06 की तिमाही 2	30.12.2005

तिमाही 1 - अप्रैल-जून, तिमाही 2 - जुलाई-सितंबर, तिमाही 3 - अक्तूबर-दिसंबर, तिमाही 4 - जनवरी-मार्च

सकल देशीय उत्पाद के वार्षिक अनुमान

(1)	2003-04 के लिए त्वरित अनुमान	31.01.2005
(2)	2004-05 के लिए अग्रिम अनुमान	10.02.2005
(3)	2004-05 के लिए संशोधित अग्रिम अनुमान	30.06.2005

****